

एक दिन ऑफिस जाते समय रेड लाइट में जब गाड़ियाँ रुकीं तो एक अजीब सा दृश्य देखने को मिला जिसने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया। एक बहुत छोटा सा बच्चा मेरी गाड़ी के करीब आया और उसने मुझे स्केच पेन का एक पैकेट बढ़ा दिया और मुझसे खरीदने का अनुरोध करने लगा। मुझे जरूरत नहीं थी लेकिन मैंने ले लिया। इसी तरह वह सभी गाड़ियों के पास जाता और अपनी बात कहता। कुछ लोगों ने लिया और कुछ लोगों ने मनाकर दिया। जो लोग उससे पेन सेट ले लेते वह खुश होकर थैंक यू अंकल कहकर आगे बढ़ जाता और जो नहीं लेते उनसे भी मुस्कुराकर ठीक है कहकर आगे बढ़ जाता। बच्चा किसी सम्प्रभत परिवार का लग रहा था। मुझे थोड़ा अजीब लगा। इतना छोटा सा बच्चा है ट्रैफिक में आते जाते लोगों के बीच पेन बेच रहा है क्या कारण है तभी उसके पीछे उसकी टीचर दिखाई दीं, मैंने पास बुलाकर पूछा तो उन्होंने बताया कि हम लोग बच्चों को इसी तरह से कुछ काम करवाते है ताकि वे मजबूत बन सकें। बच्चा खुशी-खुशी अपना काम कर रहा था और किसी के न बोलने पर भी उदास नहीं होता था। मैंने पूछा, ‘कब तक करोगे बेटा’ तब उसने कहा, “जब तक 100 नो न हो जायें। मुझे टारगेट दिया गया है 100 नो का। जब तक 100 नो इकट्ठे नहीं हो जायेंगे मुझे यह काम करना है। उसने जिस आत्मविश्वास से यह बात कही मैं आश्चर्य चकित रह गई। कोई उसे अनदेखा कर देता कोई फैन पर बात करता रहता और कोई नहीं बेठा, नहीं लेना है कहकर दूसरी तरफदेखने लगता लेकिन वो बिलकुल निराश नहीं था। हर ग्राहक की ‘ना’ के बाद वह मुस्कुराता, हल्के से बोलता ठीक है सर और दूसरे व्यक्ति की तरफबढ़ जाता। उसके चेहरे पर न शर्म थी, न डर और न निराशा। पूरे आत्मविश्वास से भरा हुआ वह अपना टारगेट पूरा करने में लगा था। मेरे चेहरे पर सवाल देखकर बगल में खड़ी हुई टीचर मुस्कुराई और बोली, ‘हमारा मकसद पेन सेट बेचना नहीं है, हमारा उदेश्य है यह छोटा सा बच्चा इस उम्र से ही ना सुनना और उसे स्वीकार करना सीखे और फिर आगेले व्यक्ति से पूछने की हिम्मत रखे।’’ उस टीचर का उत्तर सुनकर मैं लगभग चुप हो गई थी क्योंकि अपने घरों के बच्चों को तो हम कभी हारने के विषय में बात भी करने से मना करते हैं और उन्हें जीवन में संघर्ष करना तो सिखाते ही नहीं हैं। उनकी हर ज़िद पूरी करते हैं, पैसे की कीमत क्या होती है वह कभी समझ ही नहीं पाता। ऐसा आराम की ज़िन्दगी जीते हैं जब तक माता-पिता रहते हैं वह सब देते हैं बच्चों को वही आदत हो जाती है। वे नहीं जानते कि एक-एक पैसा कमाने के लिए, उनके लिये हर सुख-सुविधा जुटाने के लिये उनके

पेरेंट्स को कितना परिश्रम करना पड़ता है।

पहली क्लास से लेकर बड़े होने तक स्कूलों और घरों में बस यही बताया जाता है कि खूब पढ़ो, फर्स्ट आओ, कॉम्पिटेशन जीतो, अच्छे कॉलेज में सेलेक्ट हो जाओ तभी तुम सफल कहलाओगे। हम बच्चों को ज़िन्दगी की सच्चाई से कभी रूबरू ही नहीं होने देते। रात-दिन पढ़ाई, कोचिंग और फिर कॉम्पिटेशन जीतने की दौड़ में लगा रहकर वह यह कल्पना भी नहीं करता कि कभी जीवन में मुसीबत भी आ सकती है। हमेशा मिलती हुई जीत ही जीवन का सच नहीं है, कभी हार का सामना भी करना पड़ सकता है। यही वजह कि बच्चे जीवन के तमाम क्षेत्रों में जीत हासिल करने और शिखर पर पहुंचने के बाद भी ज़रा सी प्रतिकूल हवा से टूटकर बिखर जाते हैं।

आज के समाज में ऐसा अनेक बार हमने देखा है कि पैसा, सम्मान और सफलता के बाद भी डिप्रेशन हो रहा है और लोग आत्महत्याएं कर रहे हैं। जीवन में जितना जीतना और सफल होना जरूरी है उससे कहीं ज्यादा जरूरी है हार को संभालना, असफलताओं से मुठभेड़ करना, संघर्ष करना। बच्चों को हारना सिखाना जीवन के महत्वपूर्ण पाठों में से एक है जिसे हम नजरअन्दाज कर देते हैं ऐसे समय में इस एक स्कूल की यह पहल एक नई रेशनी की तरह है, जहां जीवन फूल और काँटों के साथ-साथ चल रहा है। केमेस्ट्री, बायो और फिजिक्स के प्रयोगों के साथ इस तरह की प्रयोगात्मक कक्षाएं हर स्कूल में होनी चाहियें, जहां बच्चे स्वयं संघर्षपूर्ण करके कुछ अर्जित भी करें और असफलता और हार को सकारात्मक रूप से समभालना सीखें। यह उनके व्यक्तित्व निर्माण के लिये बहुत जरूरी है, जीत और सफलता के बाद मिली हार हमारे बच्चों को अपवादग्रस्त बना रही है अतः हार को स्वीकार कर आगे बढ़ना उन्हें अवश्य सिखायें ताकि उनका मानसिक विकास भी हो और उनके व्यक्तित्व में एक लचीलापन भी आये ताकि वे हर परिस्थिति के लिये अपने को तैयार कर सकें।जीवन में हमेशा जीत नहीं मिलती बल्चपन में मिली छोटी-छोटी हार का सामना करने से बच्चे भविष्य में आने वाली बड़ी असफलताओं और तनाव को भी झेल पाते हैं। जब वे हारते हैं तो उन्हें यह समझने का मौका मिलता है। मौका है कि उनसे कहां चूक हो गई। वे अपनी गलतियों को पहचानते हैं और उन्हें ठीक करते हैं, जिससे उनकी प्रॉब्लम्स सॉल्विंग स्किल भी बेहतर होती हैं। यहां एक बात और महत्वपूर्ण है कि जो बच्चे खुद अपनी हार का स्वाद चख लेते हैं वह दूसरों के संघर्ष और असफलताओं को भी समझते हैं। वह कभी उनका मजाक उड़ाने की हिम्मत नहीं करते। हार को मैनेज करना हमें जीतने में विमग्न रहना

पिछले हफ्ते, जब फ्रांस में छात्रों का विरोध प्रदर्शन जोर पकड़ रहा था, तब यूरोपीय संसद ने चुपचाप एक प्रस्ताव पारित किया। यह प्रस्ताव ‘इस्लामिस्ट एंटीरिज्म’ (इस्लामी घुसपैठ) और मुस्लिम ब्रदरहुड नेटवर्क के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए एक ईयू रणनीति की आवश्यकता पर केंद्रित था। पिछले हफ्ते के आखिर में फ्रांस में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए, तो फ्रांस के धुर दक्षिणपंथी गुटों ने तुरंत नस्लवादी भाषा का इस्तेमाल करते हुए इस हिंसा के लिए मुस्लिम युवाओं को दोषी ठहराया। जुलाई-अगस्त में, जब सैकड़ों प्रवासियों ने पड़ोसी मोरक्को से स्पेन के क्षेत्र स्यूटा में घुसने की कोशिश की, तो स्पेन के धुर दक्षिणपंथियों ने इसे मोरक्को के लोगों द्वारा किया गया एक सुनियोजित ‘हमला’ करार दिया। लेकिन अभी पूरे यूरोप में जो कुछ हो रहा है, उसका ठीकरा मुसलमानों और वामपंथियों पर फोड़ा जा रहा है हालांकि, यह उम्मीद की जा सकती है कि धुर दक्षिणपंथी गुट संकटों का फायदा उठाकर इस्लाम-विरोधी भावनाएं (इस्लामोफोबिया) भड़काएंगे। अब बात यहीं तक सीमित नहीं रह गई है। पिछले हफ्ते, जब फ्रांस में छात्रों का विरोध प्रदर्शन जोर पकड़ रहा था, तब यूरोपीय संसद ने चुपचाप एक प्रस्ताव पारित किया। यह प्रस्ताव ‘इस्लामिस्ट एंटीरिज्म’ (इस्लामी घुसपैठ) और मुस्लिम ब्रदरहुड नेटवर्क के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए एक ईयू रणनीति की आवश्यकता पर केंद्रित था। इसे संसद के सबसे बड़े समूह, सेंटर-राइट यूरोपियन पीपल्स पार्टी (ईपीपी) ने पेश किया था। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन देयर लॉयन भी इसी समूह से आती हैं।

यह प्रस्ताव 381 वोटों के समर्थन से पारित हुआ, जबकि 167 वोट इसके खिलाफ पड़े। ब्रसेल्स स्थित यूरोपीय संसद के 15 सदस्य इस मतदान से दूर रहे। चार अन्य समूहों ने भी लगभग सर्वसम्मति से ईपीपी का समर्थन किया। इनमें पैट्रियट्स फॉर यूरोप और यूरोप ऑफ सॉव्रेन नेशंस (दोनों धुर दक्षिणपंथी समूह), उदारवादी रिन्यू यूरोप तथा यूरोपियन कंजर्वेटिव्स एंड रीफॉर्मिस्ट्स शामिल हैं। सोशल डेमोक्रेट्स, वामपंथी और ग्रीन्स के सांसदों ने ज्यादातर इसके खिलाफ वोट दिया, लेकिन वे इसे रोक नहीं पाए। यह प्रस्ताव फ्रांसीसी सरकार की ‘राजनीतिक इस्लामवाद’ पर आई एक बेहद विवादास्पद रिपोर्ट पर आधारित है। इसमें ‘इस्लामिस्ट एंटीरिज्म’ को प्रभाव जमाने, धीरे-धीरे ढांचा तैयार करने, संस्थाओं के भीतर पैठ बनाने और विचारधारा को वैधता दिलाने की एक राजनीतिक रणनीति’ के रूप में परिभाषित किया गया है। इसमें दावा किया गया है कि ‘इस्लामी प्रभाव कई तरह के संगठनों और फाउंडेशनों के जरिए काम करता है। इनमें सांस्कृतिक, शैक्षिक,



धार्मिक, धर्मांध, विश्वविद्यालय, युवा, भेदभाव-विरोधी और सामाजिक कार्यों से जुड़े ढांचे शामिल हैं।’

यूरोप में लगभग 45 से 62 मिलियन मुसलमान रहते हैं। ये इस महाद्वीप की कुल आबादी का लगभग 7.6 फीसदी हिस्सा हैं। इनमें से सबसे बड़ी संख्या रूस, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम और इटली में रहती है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, रूस में अधिकतम 17 फीसदी मुसलमान हैं, जिनमें तातार और चेचेन जैसे मूल निवासी शामिल हैं। फ्रांस में करीब 68 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का अधिकतम 10 प्रतिशत बताए जाते हैं। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट के अनुसार, जर्मनी की कुल आबादी में लगभग 7 फीसदी मुसलमान हैं। ब्रिटेन में 40 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का लगभग 6 प्रतिशत हैं। इटली में अधिकतम 40 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का लगभग 6 से 7 फीसदी हैं। भारत के मुकाबले ये संख्याएं कुछ भी नहीं हैं। फिर भी यूरोप उड़ा हुआ है। और यह डर दक्षिणपंथी ताकतों की मजबूत करता है।इस प्रस्ताव को लागू करना यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के लिए अनिवार्य नहीं है। लेकिन यूरोपीय राजनीति में इसे दर्ज कराना था, और यह मकसद पूरा हो गया। मुस्लिम ब्रदरहुड और उससे जुड़े लोगों या संस्थाओं को आतंकवादी सूची में डालने की मांग के पूरे यूरोप में लागू होने की संभावना कम है, क्योंकि इस आंदोलन ने राजनीतिक हथियार के रूप में हिंसा का त्याग कर दिया है। फिर भी, यह प्रस्ताव एक ऐसे वैचारिक ढांचे को वैधता देता है, जिसके मुस्लिम समुदायों के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। आने वाले दिनों में इसकी नकल भारत में भी हो सकती है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता।

यह प्रस्ताव उन मुस्लिम संस्थानों और संगठनों को संदेह के घेरे में लाता है, जो सरकार से स्वतंत्र होकर काम करते हैं। यह मुस्लिम नागरिक समाज की भागीदारी को एक तरह की ‘घुसपैठ’ के रूप में पेश करता है। प्रस्ताव में ब्रसेल्स स्थित यूरोपियन नेटवर्क ऑगेंस्ट रेसिज्म सहित कई संगठनों का नाम लिया गया है, जिन पर इस तरह के ‘इस्लामिज्म’ व्यवहार को बढ़ावा देने का आरोप है। प्रस्ताव में मांग की गई है कि इन संगठनों को मिलने वाली ईन्ू फंडिंग रोक दी जाए।बाहरी ताकतें इसका आसानी से दुरुपयोग कर सकती हैं, और ऐसा हो भी चुका है। उदाहरण के लिए, संयुक्त अरब

अमीरात ने यूरोप और अन्य जगहों पर व्यक्तियों और संगठनों को मुस्लिम ब्रदरहुड से संबद्ध बताकर बदनाम करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया है। दिलचस्प बात यह है कि प्रस्ताव पेश किए जाने से कुछ महीने पहले, अमीरात के एक राजदूत ने यूरोपीय संसद में आयोजित ‘मुस्लिम ब्रदरहुड=यूरोप के लिए एक वास्तविक खतरा’ शीर्षक वाले सम्मेलन में भाग लिया था। यानी, इसकी भूमिका पहले से ही तैयार कर ली गई थी।

प्रतीकात्मक रूप से, यह प्रस्ताव यूरोप की दक्षिणपंथी मुस्लिम-विरोधी ताकतों के लिए एक बड़ी जीत है। यह प्रस्ताव यह भी दर्शाता है कि यूरोपीय इस्लामोफोबिया किस तरह विकसित हुआ है। अब डर इस बात का नहीं है कि आप्रवासी अजनबी हैं और ‘एकीकृत’ नहीं हो पा रहे हैं, बल्कि उन मुसलमानों से हैं, जो अपने लिए बोलने और अपने नागरिक अधिकारों की रक्षा करने में सक्षम हैं। मध्यम दक्षिणपंथी ताकतों के लिए यह इस्लामोफोबिक ढांचा राजनीतिक लाभ लेकर आता है। इसके जरिए वे न केवल मुस्लिम-विरोधी भय फैलाकर चुनावी लाभ उठा सकती हैं, बल्कि उन वामपंथियों पर भी प्रहार कर सकती हैं, जो नस्लवाद को अस्वीकार करते हैं और मुस्लिम समुदायों के पक्ष में खड़े होते हैं।

यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि फ्रांस के राजनीतिक परिदृश्य में ‘इस्लामो-वामपंथ’ (फ्रांसीसी में ‘इस्लामो-गोशिज्म’) के विचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। वामपंथी पार्टी ला फ्रांस इंसीमिस् (फ्रांस अनबाउंड) के ज्यॉ-ल्यूक मेलेशों हाशिए पर पड़े समुदायों के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय हैं और राष्ट्रपति पद के प्रबल दावेदार हैं। अब उन पर ‘दंगाधरों’ को उकसाने का आरोप लगाया जा रहा है, जिनके बारे में संकेत दिया जा रहा है कि वे मुसलमान हैं।

वामपंथियों और मुसलमानों पर यह दोहरा हमला पुराने ‘यहूदी-बोलशेविक’ साजिश सिद्धांत की याद दिलाता है, जिसमें यहूदियों पर पश्चिमी सभ्यता को नष्ट करने के उद्देश्य से साम्यवाद फैलाने का आरोप लगाया गया था। आज, ‘इस्लामो-वामपंथ’ रूढ़िवादियों, उदारवादियों और धुर दक्षिणपंथियों के लिए एक ‘बलि का बकरा’ बन गया है। उनका मकसद मुसलमानों के बिना एक किलेबंद यूरोप बनाना प्रतीत होता है। इस समय यह कहना मुश्किल है कि फ्रांस का दक्षिणपंथ भारत से कितना प्रभावित है!

डेढ़ सौ रुपये किलो दाल और दो सौ रुपये लीटर तेल पर चर्चा कब होगी ?



आम आदमी के मुँह से विपक्ष दूर भागती नजर आ रही तो वहीं दूसरी तरफ सरकार अपनी कुर्सी बचाने में व्यस्त है तो फिर बेतहासा बढ़ रही महंगाई पर लगाम कैसे लगेंगी। क्या केवल वोटर लिस्ट में नाम आने और वोट दे देने से महंगाई कम हो जाएगी ! या फिर से गायब होती जा रही पौष्टिकता, रसोई का बजट बिगड़ा, जनता पूछ रही है-महंगाई पर कब होगी खुलकर बात ? देश में राजनीतिक गतिविधियों, धरना-प्रदर्शनों, चुनावी टिकटों की दावेदारी और एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) जैसे मुद्दों पर बहस जारी है। राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी चलता रहता है, लेकिन इन सबके बीच आम आदमी की रसोई का बजट लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। महंगाई से जुड़ा रहे परिवारों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी वस्तुओं की कीमतों पर गंभीर चर्चा कब होगी? महंगाई का मुद्दा केवल आर्थिक अकड़ों तक सीमित नहीं है। इसका सीधा असर उस परिवार पर पड़ता है, जिसकी आमदनी सीमित है और खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। दाल, खाद्य तेल, आटा, चावल, सब्जियाँ, दूध, गैस सिलेंडर और बच्चों की पढ़ाई जैसे खर्चों के बीच सामान्य परिवार के लिए घर चलाना दिन-ब-दिन चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है।

दाल-तेल की कीमतों के बीच आम आदमी की थाली पर संकट महंगाई को लेकर आम जनमानस में यह सवाल उठ रहा है कि यदि दाल की कीमत 150 रुपये प्रति किलो और खाद्य तेल 200 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच जाए,



तो सीमित आय वाले परिवार के लिए गुजारा करना कितना मुश्किल होगा। हालांकि, इन वस्तुओं की वास्तविक कीमत ब्राड, किस्म, गुणवत्ता और बाजार के अनुसार अलग-अलग हो सकती है, लेकिन महंगी खाद्य सामग्री का दबाव आम उपभोक्ता के घेरलू बजट पर साफ दिखाई देता है। दाल भारतीय भोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह प्रोटीन का प्रमुख स्रोत मानी जाती है और गरीब तथा मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए संतुलित आहार का आधार है। वहीं, खाद्य तेल भी रोजमर्रा के भोजन की अनिवार्य जरूरत है। इन दोनों के महंगे होने का असर केवल रसोई के खर्च तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवार के पोषण और दूसरी आवश्यकताओं पर भी पड़ता है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब रसोई का खर्च बढ़ता है, तो आम आदमी अपनी दूसरी जरूरतों में कटौती करने के लिए मजबूर क्यों होता है?धरना, टिकट और एसआईआर पर चर्चा, लेकिन जनता के मुद्दे कहां? लोकतंत्र में धरना-प्रदर्शन, चुनावी रणनीति, टिकट वितरण और मतदाता सूची का पुनरीक्षण महत्वपूर्ण विषय हैं। इन पर चर्चा होना भी जरूरी

है। एसआईआर जैसी प्रक्रिया में मतदाताओं के नाम, पात्रता और मतदाता सूची की शुद्धता से जुड़े सवाल अहम होते हैं। इसी तरह चुनावी टिकट और राजनीतिक गतिविधियां लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों की प्राथमिकताओं में महंगाई, रोजगार, किसानों की लागत, मजदूरों की मजदूरी और मध्यमवर्गीय परिवारों की आर्थिक परेशानियों को भी उतनी ही जगह मिल रही है?

राजनीतिक बहसों के बीच आम आदमी यह उम्मीद करता है कि उसकी बुनियादी समस्याओं पर भी ठोस चर्चा हो। चुनाव के समय जनता से जुड़े मुद्दे अक्सर प्रमुखता से उठाए जाते हैं, लेकिन लोगों की अपेक्षा है कि इन समस्याओं के समाधान के लिए सालभर लगातार प्रयास किए जाएं। सीमित आमदनी और बढ़ते खर्च के बीच पिस रहा मध्यमवर्ग महंगाई का सबसे अधिक दबाव उन परिवारों पर पड़ता है, जिनकी आमदनी निश्चित है, लेकिन खर्चों में लगातार उतार-चढ़ाव बना रहता है। दिहाड़ी मजदूर के सामने रोज काम मिलने की चिंता है, किसान खेती की लागत से परेशान है, वहीं नौकरीपेशा व्यक्ति अपनी मासिक आय में घर का खर्च, बच्चों की फीस, बिजली बिल, दवाइयाँ और अन्य जरूरतें पूरी करने की कोशिश करता है।ऐसे परिवारों के लिए हर महीने का बजट बनाना किसी चुनौती से कम नहीं है। यदि खाद्य सामग्री की कीमतें बढ़ती हैं, तो सबसे पहले परिवार अपने गैर-जरूरी खर्च कम करते हैं। कई बार बच्चों की अतिरिक्त पढ़ाई, स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और अन्य आवश्यक खर्चों पर भी असर पड़ता है।ग्रामीण क्षेत्रों में भी महंगाई का असर महसूस किया जाता है। वहां खेती-किसानी, मजदूरी और छोटे कारोबार से होने वाली आमदनी के बीच परिवारों को अपनी जरूरतें पूरी करनी पड़ती है। ऐसे में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि लोगों की ऋय शक्ति को प्रभावित करती है।महंगाई पर केवल बयान नहीं, जवाबदेही भी जरूरीमहंगाई एक जटिल आर्थिक विषय है। इसके पीछे उत्पादन लागत, मौसम,

आपूर्ति व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय बाजार, परिवहन खर्च, कर और बाजार की परिस्थितियों जैसे कई कारण हो सकते हैं। इसलिए इसका समाधान भी व्यापक और व्यावहारिक नीतियों के माध्यम से ही संभव है।

सरकारों और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है कि आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर निगरानी रखें, जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई करें तथा जरूरतमंद परिवारों तक राहत पहुंचाने के प्रभावी उपाय करें। साथ ही, किसानों को उचित मूल्य और उपभोक्ताओं को उचित दर पर खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के बीच संतुलन बनाना भी आवश्यक है।

विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों की भी भूमिका है कि वे जनता से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाएं और केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रहने के बजाय समाधान पर भी चर्चा करें। जनता का सवाल-रसोई का बजट कौन संभालेगा? आज आम आदमी के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि राजनीतिक बहसों में उसकी रोजमर्रा की समस्याओं को कितनी प्राथमिकता मिल रही है। धरना हो, चुनावी टिकट का विवाद हो या एसआईआर पर बहस-इन सभी विषयों के बीच महंगाई और रोजगार जैसे मुद्दों पर भी गंभीर चर्चा होनी चाहिए। जनता को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ऐसे कदमों की जरूरत है जिन्से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण रखने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और आम परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में मदद मिले। लोकतंत्र की असली मजबूती तभी दिखाई देगी, जब राजनीतिक विमर्श में सत्ता और चुनाव की चर्चा के साथ-साथ आम आदमी की रसोई, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य भी प्रमुख स्थान पायेंगे।

आखिर आम नागरिक की सबसे बड़ी चिंता केवल यह नहीं है कि अगला चुनाव कौन जीतेगा, बल्कि यह भी है कि उसकी कमाई में घर का खर्च कैसे चलेगा।सवाल सीधा है-जब राजनीति में हर मुद्दे पर बहस हो सकती है, तो महंगाई पर भी उतनी ही गंभीर और जवाबदेह चर्चा क्यों नहीं होनी चाहिए?

सिखाया, तो मदन मोहन ने लफ्जों में कई रंग भरना। इसीलिए लता जी जब गाती थीं तो लफ्ज सिर्फ लफ्ज नहीं रहते थे। ‘प्यार किया तो डरना बचल’ में वही आवाज एक चुनौती, एक बगावत बन जाती है। ऊंचे सुर पर जाकर भी वह लड़खड़ाती नहीं। वहां इश्क में हिम्मत है। फिर ‘अजीब दास्तां है ये’ में वही आवाज़ एक खोई हुई याद, एक मीठा सा शिकवा बन जाती है। ‘आज फिर जीने की तमन्ना है’ में उनकी आवाज़ में खुले आसमान की आजादी है। वहीं ‘ऐ मेरे वतन के लोगों’ में वही आवाज़ पूरे मुल्क के आंसू की आवाज़ बन जाती है।

पार्श्व गायन का सबसे मुश्किल काम है खुद गायब होकर दूसरे में बस जाना।



हिन्दुस्तानी सिनेमा में बड़े-बड़े गायक आए, अपनी छाप छोड़ गए। मगर कुछ आवाज़ें ऐसी होती हैं जो सिर्फ गीत नहीं रहतीं, वो हमारी यादों का हिस्सा बन जाती हैं। लता

जी ऐसी ही आवाज़ थीं, हैं और रहेंगी। इश्क हो, जुदाई हो, खुशी हो, इबादत हो, वतन से मुहब्बत हो - लता जी की आवाज़ हर जज़्बात के लिए उपयुक्त थी। वहीं उनका स्वर हर हीरोइन पर फिट बैठता था।लता मंगेशकर के बारे में लिखते हुए सिर्फ ‘भारत कोकिला’ कह देना काफी नहीं है। यह उनकी हस्ती को एक लफ्ज में बंद करने जैसा है। उनकी असल अजम्त को समझना है तो उनकी आवाज़ की बारीकियों में जाना होगा - सुर की पाकीज़गी, लफ्जों की अदयगी, सांस पर काबू, और हर किरदार के हिसाब से आवाज़ को बदल देने का हुनर। उनको सुनना सिर्फ एक गाना सुनना नहीं था, वो अपने ही दिल के किसी कोने से मिलने जैसा था, जिसे हम लफ्जों में कह नहीं

पाते थे। इश्क हो, जुदाई हो, खुशी हो, इबादत हो, वतन से मुहब्बत हो - लता जी की आवाज़ हर जज़्बात के लिए पहले से मौजूद एक जुबान थी।किस्सा मशहूर है कि शुरु में नौशाद साहब जैसे बड़े संगीतकार ने कह दिया था कि इस लड़की की आवाज़ बहुत पतली है। उस वक़्त किसी ने नहीं सोचा था कि यही पतली, कमजोर समझी जाने वाली आवाज़ एक दिन पूरे फिल्म संगीत की तस्वीर ही बदल देगी।उस की ज़माने में फिल्मों में भारी, गुंज़दार आवाज़ को पसंद किया जाता था। इसलिए जब लता जी की हल्की, नर्म और साफ़-शुष्फ़ाफ़ आवाज़ आई तो कई लोग उसे पहचान नहीं पाए। मशहूर गायिका शुभा मुद्गल कहती हैं कि लता जी आवाज़ हवा जैसी हल्की और मीठी थी,

लेकिन जैसे ही वह माइक के सामने आती थी, वह पूरी ताकत और अपनी पहचान के साथ सुरों को बिल्कुल सही जगह पर लगाती थीं। वही सीधे दिल में उतर जाती है।एक बहुत अहम बात - सांस पर काबू। लता जी ने उस्ताद अनिल बिस्वास से सीखा था कि गीत में सांस कहां लेनी है और कहां छोड़नी है, इस तरह कि सुनने वाले को पता ही न चले कि गायिका ने सांस ली है। पार्श्व गायक को एक साथ तीन काम करने होते हैं - सुर को संभालना, लफ्ज को बचाना और जज़्बात को निभाना। लता जी ये तीनों काम आसानी से करती थीं।गुलाम हैदर साहब ने उन्हें सिखाया था कि गाने से पहले बोल का मतलब समझो। हेमंत कुमार ने गद्य को गाना



अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज़ आपके साथ है। आपकी खबर शत प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसूच प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फ़ोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहको/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज़ समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज़ के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज़ राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज़ चैनल (पोटल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लॉक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com

किसान दिवस में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विद्याविद्यालय (सीएसए) के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों एवं वैज्ञानिक खेती के जानकारी दी। उपनिदेशक कृषि जिला उद्यान अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी एवं सहाय उपनिदेशक मत्स्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने अपने विभाग की योजनाओं, सुविधाओं और किसानों के लिए संचालित कार्यक्रमों की जानकारी दी। किसान दिवस में बड़ी संख्या में किसानों एवं किसान प्रतिनिधियों प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गुंज, जैन, उपनिदेशक कृषि डॉ. आर.एस. वर्मा, जिला कृषि अधिकारी अरुणेश सिंह, जिला उद्यान अधिकारी नरेश कुमार उत्तम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कृषि वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

आरटीई के तहत बच्चों को प्रवेश न देने वाले विद्यालयों पर होगी मान्यता निरस्तीकरण की कार्रवाई

डीएम ने दी तीन दिन की मोहलत, निर्धारित अवधि में प्रवेश न देने पर शुरू होगी कार्रवाई
22 निजी विद्यालयों में आवंटित बच्चों का शत-प्रतिशत प्रवेश नहीं, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को कड़े निर्देश

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत आवंटित बच्चों को प्रवेश देने में आनाकानी करने वाले निजी विद्यालयों के विरुद्ध जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने ऐसे 22 निजी विद्यालयों में तीन दिन के भीतर शेष बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। निर्धारित अवधि में प्रवेश नहीं देने वाले विद्यालयों के विरुद्ध मान्यता निरस्तीकरण की जाएगी। पात्र बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित नहीं होने दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने शैक्षिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत आरटीई के माध्यम से आवंटित छात्र-छात्राओं के प्रवेश की स्थिति की समीक्षा की। इसमें पाया गया कि जनपद के शहरी क्षेत्र में संचालित 22 निजी विद्यालयों में आवंटित बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन नहीं हुआ है। इस पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को



संबंधित विद्यालयों में लंबित प्रवेश तीन दिवस के भीतर सुनिश्चित कराने तथा निर्धारित अवधि में प्रवेश नहीं देने वाले विद्यालयों के विरुद्ध नियमानुसार मान्यता प्रत्याहरण की कार्रवाई तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत पात्र बच्चों को निजी विद्यालयों में प्रवेश दिलाने की व्यवस्था उनके शैक्षिक अधिकारों के संरक्षण से जुड़ी है। आवंटन होने के बाद भी प्रवेश लंबित रहने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और अभिभावकों को अनावश्यक पेशानी का सामना

इन 22 विद्यालयों में शत-प्रतिशत प्रवेश नहीं

समीक्षा में गिन विद्यालयों में आवंटित बच्चों का शत-प्रतिशत प्रवेश नहीं पाया गया, उनमें डॉ. वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल सिविल लाइन्स, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल कल्याणपुर, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल गोविंद नगर, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर एन-ब्लॉक किटवई नगर, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल एन-ब्लॉक किटवई नगर, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर श्याम नगर, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर जाजमऊ, चिटएस पब्लिक स्कूल रतनलाल नगर, नर्चर इंटरनेशनल स्कूल कल्याणपुर, वैडी पब्लिक स्कूल नारायण, एन.एल.के. वैडी स्कूल खलासी लाइन, एन.एल.के. पब्लिक स्कूल नवाबगंज, एलनहाउस पब्लिक स्कूल खलासी लाइन, एलनहाउस पब्लिक स्कूल रुमा, सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल कैट, डी.पी.एस. पब्लिक स्कूल किटवई नगर, डी.पी.एस. पब्लिक स्कूल गर्दनपुर बर्ग, डी.पी.एस. पब्लिक स्कूल आजाद नगर, डी.पी.एस. पब्लिक स्कूल सर्वोदय नगर, जी.डी. गौयनका पब्लिक स्कूल मैनावती मार्ग, यूनाइटेड पब्लिक स्कूल सिविल लाइन्स तथा कैनिंग हाई स्कूल सिविल लाइन्स शामिल हैं।

करना पड़ता है। ऐसे मामलों में विद्यालय प्रबंधन की जवाबदेही तय की जाएगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को संबंधित विद्यालयों में लंबित प्रवेश की स्थिति पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक विद्यालय में आवंटित बच्चों के सापेक्ष वास्तविक प्रवेश की स्थिति की समीक्षा करते हुए शेष बच्चों का नामांकन सुनिश्चित कराया जाए। प्रवेश प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब अथवा विद्यालय प्रबंधन की मनमानी स्वीकार नहीं की जाएगी। आरटीई के अंतर्गत आवंटित पात्र बच्चों को प्रवेश देना संबंधित विद्यालयों का वैधानिक दायित्व है। विद्यालय प्रबंधन को शासन के निर्देशों के अनुरूप सभी लंबित प्रवेश तत्काल पूरे करने होंगे। निर्धारित तीन दिवस की अवधि समाप्त होने के बाद भी प्रवेश सुनिश्चित नहीं करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध नियमानुसार मान्यता निरस्तीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी।

फरार शातिर अभियुक्त को जीआरपी ने घर के पास से दबोचा



» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज प्रशान्त वर्मा के लगातार मानिट्रिंग व निर्देशन में, पुलिस उपाधीक्षक कानपुर शेषमणि उपाध्याय के दिशा निर्देश पर रेल में हो रही चोरी की घटनाओं की रोकथाम, अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान में थाना जीआरपी कानपुर सेंट्रल ने बड़ी सफलता हासिल की है। नक्शेदेखें प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल ओम नारायण सिंह के कुशल नेतृत्व में दिनांक 23 अक्टूबर 2026 को थाना जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल पर मुकदमा के संबंध में माननीय न्यायालय श्रीमान एसीजेएसडी-5 जनपद कानपुर नगर से प्राप्त एनबीडब्ल्यू के क्रम में वारंटी अभियुक्त गुलजार उर्फ औंशू पुत्र स्व० गुलाम वाजिदपुर जाजमऊ वर्तमान थाना जाजमऊ पूर्व थाना

अवैध खनन, परिवहन एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध की गयी कार्रवाई

» 110 वाहनों की जांच में पकड़े गए 07 वाहन

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के निर्देशों के क्रम में जनपद में अवैध खनन, खनिज परिवहन एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध शांसी कानपुर रोड पर प्रभावी कार्रवाई की गई। करवाई में खान अधिकारी, कानपुर नगर द्वारा पुलिस बल के साथ जनपद में उपखनिज बालू, मोरम एवं गिट्टी से लदे वाहनों की औचक जांच एवं चेकिंग की गई। अभियान के दौरान लगभग 110 वाहनों की जांच की गई, जिसमें अनियमितता पाए जाने पर 07 वाहन ओवरलोडिंग अथवा बिना परिवहन प्रपत्र के संचालित होते हुए पाए गए। संबंधित वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार चालान एवं सीज करने की कार्रवाई की गई। उक्त कार्रवाई के अंतर्गत खनिज विभाग, कानपुर नगर को लगभग 4 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने टास्क फोर्स के समस्त सदस्यों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनपद में खनन एवं



खनिज परिवहन की निरंतर निगरानी करते हुए औचक जांच की जाए। अवैध खनन, बिना वैध परिवहन प्रपत्र के खनिज परिवहन तथा ओवरलोडिंग में संलिप्त वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद में अवैध खनन एवं खनिजों के अनियमित परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ग्राहकों को एक परसेंट दो परसेंट तीन परसेंट की लेबर लगाकर सोने के जेवर बेच रहे सर्राफा व्यवसायी



» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। आजकल दीपावली धनतेरस करवा चौथ त्योहारों के सीजन में जो सर्राफा व्यवसायी ग्राहकों को लालच देने के लिए एक परसेंट दो परसेंट तीन परसेंट की लेबर लगाकर सोने के जेवर बेच रहे हैं ग्राहक उनसे कूपया सावधान रहें और जागरूक बने। उनमें निश्चित रूप से ही इरेडियम पाउडर मिला होता है बड़े

ज्वेलर्स गोल्ड टेस्टिंग मशीन पर उसको चेक करते हैं तो वह पूरा 18 कैरेट 22 कैरेट मशीन बताती है लेकिन उसमें मशीन के नीचे जो प्योरिटी की मात्रा लिखी होती है वह सोने की अलग धातु लिखकर दिखती है उसमें साफ-साफ लिखा होता है कि इसमें इतने परसेंट गोल्ड है इतने परसेंट तांबा सिल्वर है। इतने परसेंट इरेडियम है। उसे जेवर को गलाने पर भी पर भी अगर आप उसकी टेस्टिंग करेंगे तब भी वह आपको 18 कैरेट 22 कैरेट गोल्ड दिखाएगा। इसका एक ही रास्ता है कि इसको रिफाइनरी में जब भेजा जाता है तो उसमें से सोना अलग चांदी अलग इरेडियम अलग हो जाता है। तभी ऐसे आम ग्राहक इसकी पहचान नहीं कर सकते हैं। सर्राफा बाजार में जो बोलचाल में सोने में मिलने वाला पाउडर या पाउडर और रेडियम नाम वह गलत है। जबकि इसका सही नाम इरेडियम है और यह दक्षिण अफ्रीका रूस जिंबाब्वे कनाडा की गहरी खदानों से आता है और यह धातु होती है अगर ग्राहक को जिस॥ दुकान से माल लेना है तो वह हॉल मार्किंग की मोहर की जांच (भारतीय मानक ब्यूरी) . (ब्रह्म) की साइट पर जाकर उस जेवर में पड़े हुए नंबर की जांच कर सकते हैं और दुकानदार से बिल पचां जरूर ले ग्राहक जागरूक बने। यह जानकारी व्यापारी नेता पुष्पेंद्र जायसवाल ने दी।

गोकशी की घटना के दो अभियुक्त पुलिस मुठभेड़ में हुए घायल



» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। बीती 07 अक्तूबर की रात्रि में थाना नवाबगंज क्षेत्र में गोकशी की घटना घटित हुई थी, जिसमें गौ-अवशेष बरामद हुए थे। उक्त सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा तत्काल थाना नवाबगंज पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। प्रकरण की अनावरण हेतु स्मॉट, सर्विलांस, साइबर एवं थाना नवाबगंज पुलिस की टीमें गठित कर लगातार प्रयास किए जा रहे थे। पुलिस टीमों के अथक प्रयासों द्वारा थाना नवाबगंज क्षेत्र में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में वांछित अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु सेन्ट्रल जोन की पुलिस टीमों को सतर्क किया गया था। इसी क्रम में थाना फजलगंज क्षेत्र में दो वांछित अभियुक्तों की उपस्थिति की सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना पर थाना

फजलगंज पुलिस, स्मॉट, सर्विलांस एवं साइबर टीम द्वारा संयुक्त रूप से घेराबंदी की गई। इस दौरान अभियुक्तों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में दोनों अभियुक्त गोली लगने से घायल हो गए। घायल अभियुक्तों को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया है। उनसे विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

कानपुर का कन्वेंशन सेंटर: जनता के लिए बंद, खास आयोजन के लिए चालू!

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। चुनौंगंज में स्मार्ट सिटी के तहत बना कन्वेंशन सेंटर आखिर किसके लिए बनाया गया है? शहर की जनता के लिए या कुछ खास आयोजनों के लिए? करोड़ों रुपये की लागत से बने इस सार्वजनिक परिसर को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। आम नागरिकों को यह जानने का इंतजार है कि यह केंद्र नियमित रूप से कब चालू होगा, इसकी बुकिंग की व्यवस्था क्या होगी और शहर के सामाजिक, सांस्कृतिक व व्यावसायिक आयोजनों के लिए यह कब उपलब्ध होगा। लेकिन जैसे ही क्राफ्टरूट्स की प्रदर्शनी का कार्यक्रम आता है, इसी कन्वेंशन सेंटर में गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। पिछले साल भी प्रदर्शनी के दौरान यह परिसर चर्चा में आया था और अब एक बार फिर उसी प्रदर्शनी के लिए इसके इस्तेमाल की बात सामने है।



तो सवाल स्वाभाविक है—क्या सार्वजनिक संपत्तियों के इस्तेमाल के नियम सबके लिए एक समान हैं? यदि कन्वेंशन सेंटर अभी नियमित संचालन के लिए तैयार नहीं है, तो किसी विशेष आयोजन के लिए इसे खोलने का आधार क्या है? यदि संचालन और हैडओवर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, तो आम जनता के लिए इसकी

बुकिंग क्यों स्पष्ट नहीं है? और यदि संचालन से जुड़े निर्णय लिए गए हैं, तो क्या उनमें निर्धारित संस्थागत प्रक्रियाओं और संबंधित निकायों की सहमति का पालन हुआ है? इन सवालों का जवाब किसी व्यक्ति विशेष पर टिप्पणी करके नहीं, बल्कि संबंधित दस्तावेजों, नियमों और प्रशासनिक पारदर्शिता से मिलना चाहिए। राज्यपाल का संवैधानिक पद सम्मान का पद है। उनकी पुत्री द्वारा आयोजित प्रदर्शनी भी अपने निर्धारित नियमों के तहत हो सकती है। लेकिन सार्वजनिक संपत्ति के मामले में नागरिकों का यह पूछना भी उतना ही स्वाभाविक

है कि जो सुविधा एक आयोजन के लिए उपलब्ध हो सकती है, वह कानपुर की आम जनता के लिए उपलब्ध क्यों नहीं है? नक्शेदेखें कानपुर को सिर्फ एक शानदार इमारत नहीं चाहिए। उसे ऐसी सार्वजनिक सुविधा चाहिए, जिसका लाभ शहर के हर नागरिक, हर संस्था, हर कलाकार और हर व्यापारी को समान नियमों के तहत मिल सके। कन्वेंशन सेंटर जनता के पैसे से बना है, इसलिए जनता को उसके इस्तेमाल का अधिकार, नियमों की जानकारी और प्रशासन से जवाब मांगने का हक है। अब जरूरत है कि नगर निगम और स्मार्ट सिटी प्रशासन सामने आएँ और स्पष्ट करें—कन्वेंशन सेंटर के संचालन की वर्तमान स्थिति क्या है, इसे किस प्रक्रिया के तहत संचालित किया जा रहा है और आम जनता के लिए इसे नियमित रूप से कब खोला जाएगा? कानपुर का सवाल सीधा है—सार्वजनिक संपत्ति के नियम सबके लिए एक समान कब होंगे?

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

» बंदियों को मिल रही सुविधाओं, भोजन, चिकित्सा और निःशुल्क विधिक सहायता की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। पूर्णकालिक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर अभिनव तिवारी ने जिला कारागार, कानपुर नगर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विचाराधीन बंदियों, सजायाफ्ता बंदियों और महिला बंदियों की बैरकों के साथ पाकशाला, कारागार अस्पताल तथा लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कारागार अधीक्षक, डिटी जेलर एवं

अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। सचिव ने बैरकों में बंदियों से संवाद कर उनके खानपान एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बंदियों ने बताया कि उन्हें नाश्ते में गुड़, चाय और दलिया दिया जाता है, जबकि दोपहर के भोजन में उड़द या राजमा की दाल, चावल, आलू-बैंगन एवं सोयाबीन की सब्जी और रोटी उपलब्ध कराई जाती है। बंदियों ने किसी प्रकार की समस्या नहीं बताई। महिला बैरक के निरीक्षण के दौरान महिला बंदियों ने बताया कि जेल में लीगल एड डिफेंस काउंसिल (एलएडीसी) के माध्यम से उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। सचिव ने कारागार में उपलब्ध उपस्थिति रजिस्टर, आवागमन रजिस्टर और हेल्प डेस्क रजिस्टर का भी अवलोकन किया। सभी रजिस्टर उपलब्ध एवं पूर्ण पाए गए। कारागार अस्पताल में भर्ती बंदियों से उनके भोजन,

दवाइयों और उपचार की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली गई। बंदियों ने बताया कि उन्हें हल्का एवं सुगंधयुक्त भोजन दिया जाता है तथा समय-समय पर दवाइयां उपलब्ध कराई जाती हैं। चिकित्सक भी नियमित रूप से आकर उनका स्वास्थ्य परीक्षण करते हैं। इस संबंध में किसी बंदी ने कोई शिकायत नहीं की। महिला बैरक में महिला बंदियों द्वारा दीपावली के अवसर पर तैयार किए गए मिट्टी के दीयों को भी सचिव ने देखा और उनके कार्य की सराहना की। उन्होंने बुजुर्ग बंदियों को भजन-कीर्तन जैसी गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। सचिव अभिनव तिवारी ने कारागार अधीक्षक को निर्देशित किया कि आगामी 1 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले विशेष शिविर/वृहद सेवा शिविर में कारागार में बंदियों द्वारा तैयार की गई सामग्री का स्टॉल लगाया जाए, ताकि आमजन को उनके हुनर और उत्पादों के प्रति जागरूक किया जा सके।



गोरखपुर: दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान

हाईटेंशन तार की चपेट में आए 11 लोग

दो सगे भाइयों समेत तीन की मौत



» बीपीएस न्यूज

गोरखपुर। गोरखपुर के गुलरिख थाना क्षेत्र के जंगल अयोध्या प्रसाद में बुधवार शाम दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। प्रतिमा विसर्जन के लिए निकले जुलूस में शामिल डीजे की लोहे की रेलिंग ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गई। इससे करंट उतरने से चार महिलाओं

बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप, फोरलेन जाम

हादसे के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग के प्रति आक्रोश फैल गया। उनका आरोप है कि प्रतिमा विसर्जन के दौरान बिजली आपूर्ति बंद रखने की बात कही गई थी, लेकिन इसके बावजूद बिजली नहीं काटी गई। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण इतना बड़ा हादसा हुआ। आक्रोशित ग्रामीणों ने शाम करीब छह बजे बीआरडी मेडिकल कॉलेज के गेट के सामने गोरखपुर-महराजगंज फोरलेन पर जाम लगा दिया। इससे सड़क पर आवागमन प्रभावित हो गया। ग्रामीण बिजली विभाग की जिम्मेदारी तय करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

डीएम और एसएसपी ने संभाली स्थिति

घटना की सूचना पर जिलाधिकारी दीपक मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कोस्तुभ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने मेडिकल कॉलेज में घायलों के उपचार की स्थिति का जायजा लिया और पीड़ित परिवारों से बातचीत की। उन्होंने ग्रामीणों को कार्रवाई का आश्वासन देकर समझाने का प्रयास किया। हालांकि, ग्रामीणों की मांगों पर सहमति नहीं बनने के कारण उन्होंने दोबारा गोरखपुर-महराजगंज फोरलेन जाम कर दिया। देर शाम तक पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों को समझाने में जुटे रहे।

टाइगर श्रॉफ पर हमले के अमृतसर से जुड़े तार, ट्रेन में हथियार लेकर मुंबई पहुंची थी दो लड़कियां

» नाबालिग लड़के ने होटल से लिया था बैग

» दो लड़कियों ने मुंबई पहुंचाए हथियार

» बीपीएस न्यूज



अमृतसर। टाइगर श्रॉफ पर हमले के तार पंजाब के अमृतसर से जुड़े हैं। यहां से दो लड़कियां हथियार लेकर ट्रेन में मुंबई पहुंची थी। दोनों लड़कियां उत्तर प्रदेश की हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने ये खुलासा किया है। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर मुंबई में हुई फायरिंग के मामले में हथियारों की सप्लाई का तार अमृतसर से जुड़ा है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की जांच के मुताबिक, हरियाणा के सोनीपत निवासी कुणाल और सुमित ने अमृतसर से एक पिस्टल और 20 कारतूस जुटाए थे। इसके बाद उत्तर प्रदेश की रहने वाली राधा और बबीता को हथियार मुंबई पहुंचाने की जिम्मेदारी दी गई। पुलिस ने हथियारों की सप्लाई के आरोप में चारों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, हथियारों की सप्लाई का यह नेटवर्क लॉरेंस गैंग के सदस्य अनिल पंडित के निर्देश पर काम कर रहा था। जांच के दौरान सामने आया है कि आरोपी कुणाल (21) और सुमित (19) ने अमृतसर से हथियार लिए थे। लड़की के बैग में छिपाई थी पिस्टल

इसके बाद इन दोनों ने यह हथियार राधा (23) और बबीता (23) को दे दिए। जोकि अमृतसर से ही ट्रेन में बैठ कर मुंबई के लिए रवाना हो गईं। जांच के मुताबिक, 15 अक्टूबर को कुणाल ने राधा और बबीता को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर छोड़ा था। दोनों ट्रेन से मुंबई रवाना हुईं। पिस्टल राधा के बैग में छिपाई गई थी। 17 अक्टूबर को दोनों मुंबई के दादर रेलवे स्टेशन पहुंचीं और एक होटल में ठहरीं। इसी दिन एक नाबालिग लड़का होटल के पास राधा से बैग लेने पहुंचा था। पुलिस इस मुलाकात और हथियार आगे पहुंचाने में उसकी भूमिका की जांच कर रही है। गौर हो कि 18 अक्टूबर को टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग हुई। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में श्रैक्ति, रेहान और फूल सिंह की भूमिका सामने आई है। फायरिंग के बाद आरोपियों को मुंबई से बाहर निकालने की कोशिश भी की गई। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 20 अक्टूबर को राधा और बबीता को दिल्ली रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया, जबकि कुणाल और सुमित को सोनीपत से पकड़ा गया।

लाखों का कर्ज लेकर बेटी को भेजा विदेश, अब फांसी की खबर

» हमें नहीं पता हमारी बेटी जिंदा है या मर गई

» 15 दिन पहले हुई थी आखिरी बातचीत

» महिला कर्मचारी से झगड़े का आरोप

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। बांग्लादेश के तंगेल जिले में रहने वाले एक मजदूर ने करीब चार साल पहले अपनी सबसे छोटी बेटी को बेहतर भविष्य और कमाई की उम्मीद में सऊदी अरब भेजा था। इसके लिए उन्होंने 1.5 लाख बांग्लादेशी टका का कर्ज भी लिया था। लेकिन अब उसी बेटी को सऊदी अरब में फांसी दिए जाने की खबर सामने आई है।



हालांकि, परिवार को अब तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है। ऐसे में माता-पिता को यह भी नहीं पता कि उनकी बेटी जिंदा है या उसकी मौत हो चुकी है। तंगेल के मिर्जापुर उपजिला स्थित माहेरा युनियन के नगर छावली गांव में रहने वाले फजल मियां ने अपनी सबसे छोटी बेटी स्वीटी अख्तर को

करीब चार साल पहले सऊदी अरब भेजा था। फजल दिहाड़ी मजदूरी करके परिवार का गुजारा करते हैं। उन्होंने उम्मीद की थी कि विदेश में नौकरी मिलने से बेटी की जिंदगी बेहतर होगी और परिवार की आर्थिक परेशानियां भी कम होंगी। शुरुआत में सब कुछ ठीक रहा, स्वीटी ने पांच महीने तक घर पैसे भेजे, फिर उसने जेल से फोन किया। फजल के मुताबिक, स्वीटी ने बताया था कि सऊदी अरब में दूसरी महिला कर्मचारियों के साथ उसका झगड़ा हुआ था। इसके बाद उसे झूठे मामले में फंसाकर जेल भेज दिया गया। इस घटना के बाद करीब एक साल तक परिवार का स्वीटी से कोई संपर्क नहीं हो सका। माता-पिता को यह भी पता नहीं चल पा रहा था कि उनकी बेटी किस हाल में है। फजल ने

बताया कि करीब एक साल बाद स्वीटी ने दोबारा घर फोन करना शुरू किया। इसके बाद वह आमतौर पर महीने में एक बार परिवार से बात करती थी। हालांकि, उसने कभी अपने खिलाफ चल रहे मुकदमे या अदालत से मिली सजा के बारे में कुछ नहीं बताया। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि स्वीटी पर आरोप है कि उसे एक दूसरे बांग्लादेशी नजरूल इस्लाम के साथ कथित तौर पर मक्का के एक मस्जिद में अश्लील हरकत करने के जुर्म में सऊदी अरब में फांसी दे दी गई है। फजल ने कहा, आखिरी बार हुई बातचीत के दौरान उसने बताया था कि शायद दो महीने में उसे जेल से रिहा कर दिया जाएगा। करीब 15 दिन पहले भी उसने जेल से हमें फोन किया था। उस समय भी उसने अपनी सजा के बारे में कुछ नहीं बताया। परिवार के मुताबिक, दो दिन पहले उन्हें दूसरे लोगों से पता चला कि सऊदी अरब के अधिकारियों ने कथित तौर पर स्वीटी को फांसी दे दी है। हालांकि, बांग्लादेश सरकार की ओर से

परिवार को अब तक इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। बेटी को फांसी दिए जाने की खबर सुनने के बाद से पूरा परिवार परेशान है। पिता फजल मियां का कहना है कि जब तक सरकार आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं बताती, तब तक वे किसी भी खबर पर भरोसा नहीं कर सकते। फजल ने कहा, %हमें नहीं पता कि हमारी बेटी के साथ क्या हुआ है। हमें तो यह भी नहीं पता कि वह जिंदा है या मर चुकी है। हमने सिर्फ लोगों से ऐसी बातें सुनी हैं। इस बीच बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने हाल ही में कहा था कि उसे सऊदी अरब में दो बांग्लादेशी नागरिकों को फांसी दिए जाने की जानकारी मिली है। हालांकि, मंत्रालय अभी तक उन दोनों की पहचान की पुष्टि नहीं कर सका है। फिलहाल परिवार को बांग्लादेश सरकार से आधिकारिक सूचना मिलने का इंतजार है। परिवार यह जानना चाहता है कि स्वीटी के साथ आखिर क्या हुआ और सऊदी अरब में उसकी मौजूदा स्थिति क्या है।

दलेर मेहंदी विवाद: मीका सिंह ने मिलाया मंत्री सुबोध उनियाल को फोन, कहा-आरोप साबित करें तो मैं गाना छोड़ दूंगा

» बीपीएस न्यूज

देहरादून । दलेर मेहंदी की प्रस्तुति को लेकर उठे विवाद के बीच पंजाबी गायक मीका सिंह ने कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल से बातचीत की।

मंत्री का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह मामला लगातार चर्चा में है। वीडियो में मंत्री मंच पर दलेर मेहंदी की प्रस्तुति को लेकर नाराजगी जताते दिखाई दे रहे हैं।मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को मीका सिंह और मंत्री के बीच हुई बातचीत में मंच पर हुए घटनाक्रम का जिक्र हुआ। इस दौरान सुबोध उनियाल ने मीका सिंह से भी मंच की मर्यादा बनाए रखने की जरूरत बताई। उत्तराखंड के नरेंद्रनगर में मां कुंजापुरी मेले में पंजाबी गायक दलेर मेहंदी की



प्रस्तुति को लेकर उठा विवाद अब मनोरंजन जगत तक पहुंच गया है। इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए मीका सिंह ने कहा कि अगर कोई यह साबित कर दे कि 59 वर्षीय दलेर मेहंदी ने कभी शराब पी है, तो वह गाना छोड़ दूंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने बड़े भाई दलेर मेहंदी को लेकर खबरें देखी हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि वह गाते समय नशे में थे और ठीक से गा नहीं पा रहे थे। मीका ने सवाल उठाया कि क्या किसी ने कभी दलेर मेहंदी के हाथ

में शराब का गिलास देखा है या उनकी जन्मदिन की पार्टियों में शराब परोसे जाते हुए देखा है? उन्होंने कहा कि वह अपने बड़े भाई की बात कर रहे हैं, अपनी नहीं। लोग उनके बारे में कुछ भी कह सकते हैं, लेकिन दलेर मेहंदी को लेकर ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए। मीका के मुताबिक, अगर दलेर मेहंदी उस समय ठीक से नहीं गा पा रहे थे, तो संभव है कि उनकी तबीयत ठीक न रही हो। मंच पर उनके लड़खड़ाने और लिप-सिक के आरोपों के बाद कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल की ओर से उन्हें डांटने पर भाई मीका सिंह, रैपर बादशाह और कॉमेडियन कपिल शर्मा, शिल्पा शेठ्टी समेत कई कलाकार उनके समर्थन में सामने आए हैं। सभी ने सार्वजनिक रूप से एक वरिष्ठ कलाकार को अपमानित किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई।

जेब में मोबाइल फटने से बाइक सवार की दर्दनाक मौत

» बीपीएस न्यूज

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में जेब में रखा मोबाइल फोन अचानक फटने से 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब रहमतपुर गांव निवासी विकास अंतल बाइक से घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि मोबाइल की बैटरी में अचानक विस्फोट होने से वह बाइक से नियंत्रण खो बैठे और सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। जानकारी के मुताबिक, हादसा सोमवार शाम मुजफ्फरनगर के नगर कोतवाली क्षेत्र में वहलना चौक के पास हुआ। विकास अपनी मां को

दिल्ली:आशुतोष रांका और सौरव दास को मिली जमानत, सात दिन बाद जेल से आएंगे बाहर

» जंतर-मंतर पर अवैध प्रवेश पर पुलिस ने गिरफ्तार किया

» पांच दिन की न्यायिक हिरासत में कोर्ट ने भेजा

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली एसईएम कोर्ट ने सीजेपी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत पर अपना आदेश सुनिश्चित रखा। जिसके बाद कोर्ट ने दोनों नेताओं को जमानत दे दी है। दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत तीन दिन बढ़ाने की मांग की थी। दोनों को बुधवार को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) के समक्ष पेश किया गया था। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह ने बताया कि देरी के बाद आखिरकार उनके नेता सौरव दास और आशुतोष रांका रिहा हो गए हैं। उन्होंने इस फैसले का स्वागत किया और खुशी जताई। रत्ना सिंह ने कहा कि सीजेपी के तौर पर उन्हें यह आवश्यक लगा। उन्होंने बताया कि उन्हें अभी आदेश की प्रति नहीं मिली है, लेकिन जल्द ही मिलने की उम्मीद है। रत्ना सिंह ने उच्च न्यायालय की मौखिक टिप्पणियों की भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि सौरव दास 27 वर्ष के हैं और आशुतोष भी जेन जेड के करीब हैं। सीजेपी युवाओं के मुद्दों से जुड़ाव महसूस करती है। दो दिन पहले सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत दो दिन और बढ़ा दी गई थी। सोमवार को दोनों को मंदिर मार्ग थाने में नवविद्युक्त विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया



गया। पुलिस ने उनकी हिरासत बढ़ाने की मांग की, जिस पर मजिस्ट्रेट ने दोनों को दो दिन और जेल में रखने का आदेश दिया। दोनों नेता जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के मामले में हिरासत में हैं। आरोप है कि प्रतिबंध लागू होने के बावजूद वे बंद गेट पार कर जंतर-मंतर परिसर में दाखिल हुए थे। वहां सीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने तिरंगा लहराया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया था। 13 अक्टूबर को उन्हें पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।जानकारी के अनुसार, सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को दिल्ली की स्पेशल एंजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (एसईएम) अदालत ने पांच दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजते हुए तिहाड़ जेल भेजने के आदेश दिए हैं। इन दोनों नेताओं पर पहले से तय बेल बॉन्ड की शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। वहीं दूसरी ओर, इसी मामले में शामिल तीसरे नेता अजिंक्य शिंदे को राहत देते हुए अदालत ने उनसे नया बेल बॉन्ड भ्रवाकार प्रक्रिया पूरी की है। जंतर-मंतर को प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों की सूची से हटाए जाने के बाद भी सीजेपी के नेताओं ने वहां विरोध प्रदर्शन किया। रांका, दास और पार्टी के अन्य कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पार कर अंदर पहुंचे और तिरंगा लहराते हुए नारेबाजी की।

प्रेमी से कराई पति की हत्या नीले ड्रम वाली मुस्कान से खतरनाक निकली उर्मिला

» बीपीएस न्यूज

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने पुलिस और स्थानीय लोगों के रोंगटे खड़े कर दिए हैं। जिले के लखनऊ कोतवाली क्षेत्र के कोताना गांव में एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर खोफनाक साजिश रची और पति को मौत के घाट

उतार दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि हत्या के दौरान पत्नी घर बैठे अपने प्रेमी से एक-एक पल की अपडेट ले रही थी। जैसे ही प्रेमी ने पति की मौत की पुष्टि की, शांतिर पत्नी ने उसका नंबर तुरंत ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने मुसौदों दिखाते हुए आरोपी पत्नी उर्मिला और उसके प्रेमी सिकंदर को गिरफ्तार कर लिया है। वेंडिंगप्लानर चुनें पुलिस के अनुसार, यह पूरी घटना 18

अक्टूबर 2026 की है। कोताना गांव के रहने वाले करीब 50 वर्षीय प्रमोद उर्फ मोगली शाम को घर से रामलीला देखने जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन वे वापस नहीं लौटे। काफी देर तक जब प्रमोद घर नहीं पहुंचे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। कुछ ही देर बाद उनका शव गांव के ही एक खेत में ट्यूबवेल के पास संदिग्ध हालात में मिला। परिवार में कोहराम मच

गया और आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी गई।सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में ही मामला सामान्य मौत का नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या का प्रतीत हुआ। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गहराई से तफ्तीश शुरू की। जांच के दौरान जैसे-जैसे कड़ियां जुड़ीं, शक की सुई प्रमोद की पत्नी उर्मिला और गांव के ही एक युवक

सिकंदर पर आकर टिक गई।पुलिस पूछताछ में जो खुलासे हुए, वे बेहद चौंकाते वाले थे। आरोपी सिकंदर प्रमोद की ही एक दुकान किराए पर लेकर बाइक रिपेयरिंग का काम करता था। इसी दौरान उसका प्रमोद के घर आना-जाना हुआ और प्रमोद की पत्नी उर्मिला से उसकी नजदीकियां बढ़ गईं। देखते ही देखते दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए और वे चोरी-छिपे होटलों में भी मिलने लगे।

माकपा का ऐतिहासिक प्रदर्शन

चुनाव आयोग के खिलाफ बनी 'मानव श्रृंखला'

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चुनाव आयोग की नीतियों और मतदाता सूची में कथित धांधली के खिलाफ

आज कानपुर की सड़कों पर अभूतपूर्व नजारा देखने को मिला। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) कानपुर जिला कमेटी के आह्वान पर जुटे कार्यकर्ताओं और आम जनता ने एक 'मानव श्रृंखला' बनाकर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन

किया और पूरे शहर में विरोध की गूंज पैदा कर दी। इस गगनभेदी विरोध प्रदर्शन में विभिन्न जनसंगठनों के नेतृत्वकारी साथियों और साधारण समर्थकों ने

उत्साह से भाग लिया, जिसने इस मानव श्रृंखला को ऐतिहासिक रूप से कामयाब बनाया।

यह प्रदर्शन कानपुर जिला पार्टी मुख्यालय 'कामरेड राम आसरे भवन' पर आयोजित किया गया था।

माकपा का यह तीखा विरोध

चुनाव आयोग द्वारा चलाई जा रही 'एसआईआर प्रक्रिया' को तुरंत रोकने, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करने और मतदाता सूची को

पूर्व की स्थिति में बहाल करने की मांगों को लेकर था। नेताओं ने दो टूट कहा कि मतदाता सूची में की जा रही गड़बड़ियां अवागम के लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला है।

प्रदर्शन के समापन पर माकपा के जिला

सचिव ने इस आंदोलन को अभूतपूर्व ऊंचाई पर ले जाने के लिए सभी का आभार जताया।

उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर और अनुशासित तरीके से मानव श्रृंखला बनाकर तानाशाही रवैये के

खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए सभी कामरेडों, जनसंगठनों के पदाधिकारियों और समर्थकों को बधाई दी और क्रांतिकारी सलाम के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।



बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स

हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, गरीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।

(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)

24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)



श्याम मिल्क प्रोडक्ट डेयरी

हमारे यहाँ शुद्ध दूध, दही, पनीर, खोया, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध मिठाई उचित मूल्य पर उपलब्ध है।



राजू राजपूत
मो. 9839909008

पता- 51 द्विवेदी नगर, तौधकपुर रोड, समाधि पुलिया, नौबस्ता कानपुर

बेहतर स्वास्थ्य के लिए सही चुनाव...

CARE-TEX
OUR MISSION IS PATIENT CARE

दर्द कम... जीवन सुशहाल...

आपके स्वस्थ जीवन का साथी

अब पाएं Care-Tex के उच्च गुणवत्ता वाले ऑर्थोपेडिक व फिजियोथेरेपी सपोर्ट प्रोडक्ट्स हमारे यहाँ

अरुण कुमार अस्थाना
जय अंबे ट्रेडर्स

30 YEARS OF EXCELLENCE

- बेहतरीन क्वालिटी
- टिकाऊ और आरामदायक
- डॉक्टरों द्वारा अनुशंसित
- हर उम्र के लिए उपयोगी
- वाजिब दाम, भरोसेमंद सेवा

हमारे उपलब्ध अन्य प्रमुख प्रोडक्ट्स

Knee Cap, Ankle Support, Elbow Support, Cervical Collar, Arm Sling, Wrist Support, Posture Belt, Finger Support

दुर्द से राहत बेहतर समर्थन, उच्च गुणवत्ता, वाजिब दाम बेहतर सेवा, डॉक्टरों की पहली पसंद, 30 वर्षों का विश्वास

Caretex कार्यालय
19/174, पटकापुर, कानपुर

संपर्क करें 9936442547, 7705800400

आपकी सेहत... हमारी प्राथमिकता | Care-Tex - मरीजों की देखभाल ही हमारा लक्ष्य

साईं पेपर कप
ग्लास गैल्यूफेब्रिक

महेन्द्र पटेल
प्रबंधक

माधुरी पटेल
डायरेक्टर

पेपर ग्लास - 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें

9919772233 7985401046

पता:- प्लॉट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर

अकाना होम डेवलपर्स लाया है अब आपके शहर कानपुर व उन्नाव में आसान व मासिक किस्तों पर



तुरन्त रजिस्ट्री
तुरन्त कब्जा लें

बिना ब्याज के

अकाना होम डेवलपर्स

आवासीय प्लॉट

हमारी साईट :

- ❖ पाली
- ❖ सेन पश्चिम पारा
- ❖ मंझावन
- ❖ नौबस्ता आवास विकास
- ❖ रमईपुर
- ❖ जाजमऊ गंगापुर

पता- 34, सुभाष कॉम्प्लेक्स, मधुलोक हॉस्पिटल चौराहा, नौबस्ता, कानपुर नगर

Mob. : 90005315389

Since:1992

Sahu Ji Maharaj Restaurant

राजसी ठाट
देसी अंदाज़

638 Y-1 ब्लॉक किदवई नगर
(निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)

M: 8303637506
9792526852

सुबह खाली पेट इलायची चबाने से सुधरेगा आपका डाईजेशन

क्या आपको इलायची खाना पसंद है, तो बढ़िया है यदि नहीं, तो अभी से इलायची खाना शुरू कर दें। सुबह-सुबह खाली पेट इलायची चबाने से दिन की अच्छी शुरुआत मानी जाती है। दरअसल, छोटी-सी दिखने वाली इलायची सिर्फ चाय या मिठाई में खुशबू बढ़ाने के काम नहीं आती है बल्कि इसमें कुछ ऐसे एक्टिव कंपाउंड पाए जाते हैं, जो डाइजेशन से संबंधित समस्याओं को ठीक करते हैं।

» रोज सुबह एक इलायची खाने के क्या फायदे हैं?

गैस की समस्या हो या फिर पेट फूलना या खाना खाने के बाद भारीपन जैसे दिक्कतें हो, इलायची का सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। अगर आप रोजाना हरी इलायची खाना शुरू करेंगे, तो आपको मिलेंगे जबरदस्त फायदे।



» गैस और पेट के भारीपन को कम करने में मदद करती है इलायची

बार-बार आपका पेट फूलता है या गैस की परेशानी रहती है, तो इलायची आपको राहत दिलाने का काम करता है। इसमें सिनेओल और टर्पिनिल एसोेट जैसे एक्टिव कॉम्पाउंड्स ऑयल्स पाए जाते हैं। इन कंपाउंड्स का कनेक्शन डाइजैस्टिव सिस्टम की मसल्स को रिलैक्स करने से हैं। वहीं, इलायची में एंटीस्पैस्मोडिक भी पाया जाता है।

यह पेट में जमा गैस और हवा को बाहर निकालता है। रोजाना सुबह इसे लेने से पेट संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

» शरीर की सृजन कम करना और एक्स्ट्रा पानी बाहर निकालना

असल में इलायची एक प्रकार से दवा की तरह कार्य करती है, जो कि शरीर से पेशाब के रास्ते एक्स्ट्रा पानी और नमक को बाहर निकालने में मदद करती हैं। सबसे जरूरी बात

यह है कि इससे शरीर को जरूरी इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस नहीं होता है। यदि आपके शरीर में सूजन है या वॉटर रिटेंशन की दिक्कत है, तो आप इलायची खा सकती हैं। यह ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल करता है।

» खाना पचाने में कर सकती है मदद

मिठाईयों से लेकर बिरयानी जैसी डिशेज में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। वैसे यह स्वाद बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि लिक्वर से बाइल निकलने की प्रॉसेस को भी ठीक करता है। बाइल खाने को डाइजैस्ट करने की प्रक्रिया में मदद करता है।

» मुंह की बदबू और दांतों के लिए फायदेमंद

जब आप खाना खाएं तो उसके बाद इलायची को जरूर चबाएं। ऐसा करने से मुंह की बदबू दूर होती है। वहीं, इलायची में ऐसे गुण होते हैं, जो दांतों में कीड़ा (कैविटी) और गंदगी पैदा करने वाले बैक्टीरिया को हटाते हैं। इसलिए इलायची सिर्फ माउथ फेंशरन ही नहीं बल्कि आपके मुंह और दांतों की सेहत के लिए बढ़िया हैं।

पूरे भारत को तुम पर भरोसा है... गंभीर की बात सुनकर तिलक ने दिलाई टीम इंडिया को जीत, श्रेयस अय्यर भी हुए मुरीद

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 शृंखला के दूसरे मुकामले में भारत की जीत के नायक रहे तिलक वर्मा ने शनिवार को कहा कि मैच से पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने उन पर भरोसा जताते हुए कहा था कि पूरा देश उनसे उम्मीद लगाए बैठा है और अगर वह अंत तक टिके रहे तो भारत जीत सकता है। भारतीय टीम जीत के लिए 180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय मुश्किल में घिर गई थी। लगातार विकेट गिरने और रन गति बढ़ने के कारण टीम ने 15वें ओवर में 112 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे।तिलक ने यहां से मोर्चा संभालाते हुए नमन धीर (17 गेंदों पर 31 रन) के साथ 25 गेंदों में 42 रन की अहम साझेदारी करने के बाद नीतीश कुमार रेड्डी (13 गेंदों पर नाबाद 26 रन) के साथ 30 गेंदों में नाबाद 69 रन जोड़कर भारत को चार विकेट से जीत दिला दी। तिलक ने मैच के बाद कहा, «मैं सिर्फ यही सोच रहा था कि अंत तक बल्लेबाजी करनी है। आज के मैच से पहले मेरी गौतम सर और कोटक सर से बात हुई थी। उन्होंने कहा था कि पूरे भारत को तुम पर भरोसा है। और आज उन्होंने कहा, अगर तुम अंत तक बल्लेबाजी करोगे तो हम जीत सकते हैं। मुझे खुद पर बहुत गर्व है। उन्होंने कहा, मैं नमन से भी कह रहा था कि हमें अंत तक टिके रहना है। पिच थोड़ी धीमी थी। जब स्पिनर गेंदबाजी कर रहे थे, तब मैंने नमन से कहा था कि हमें तेजी से रन बनाने होंगे। दुर्भाग्य से मिचेल (सैंटनर) के आखिरी ओवर में नमन आउट हो गए। अगर ऐसा नहीं होता तो हम 18वें ओवर में ही मैच जीत सकते थे। इसके बाद हैदराबाद के दोनों खिलाड़ी (मैं और नीतिश

रेड्डी) एक साथ थे। मुझे खुशी है कि हम मैच खत्म करने में सफल रहे। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि लगातार विकेट गिरने के बाद उन्हें लगा था कि मैच भारत के हाथ से निकल रहा है।उन्होंने तिलक और नीतिश की तारीफ करते हुए कहा कि दोनों ने मुश्किल समय में शानदार जज्बा दिखाया। अय्यर ने पांच मैचों की शृंखला में भारत के 2-0 की बढ़त लेने के बाद कहा, «हर खिलाड़ी मैच जिताने में सक्षम होता है और आज हमें इसका उदाहरण देखने को मिला। जब हमने लगातार विकेट गंवाए तो लगा कि मैच हमसे दूर जा रहा है। लेकिन नीतीश और तिलक ने



शानदार जज्बा दिखाया। नमन ने भी अहम पारी खेली। वह शानदार गेंदबाज भी हैं और टीम में काफी जज्बा लेकर आते हैं। वह हर लिहाज से एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं।

न्यूजीलैंड के कप्तान सैंटनर ने कहा कि उनके गेंदबाजों ने लक्ष्य का बचाव करते हुए शानदार शुरुआत की थी, लेकिन शुरुआती विकेट गंवाने के बाद भी भारतीय बल्लेबाजों ने दबाव को अच्छे से संभाला। सैंटनर ने कहा, «भारत ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। अगर हमें एक विकेट और मिल जाता तो शायद हम जीत सकते थे। भारतीय बल्लेबाजों ने लक्ष्य का पीछा बहुत अच्छी तरह आगे बढ़ाया। हमारे गेंदबाजों ने शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया। अगर भारत को तेज शुरुआत मिल जाती तो उसे रोकना मुश्किल होता। हमने वापसी करते हुए उनकी रन गति पर अंकुश लगाने की कोशिश की।

12 दिसंबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत सुलह-समझौते से होगा वादों का निस्तारण

» राष्ट्रीय लोक अदालत से पहले 26 अक्टूबर से शुरू होंगे प्री-ट्रायल, वादी-प्रतिवादी न्यायालय में दर्ज करा सकेंगे सहमति

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पूर्णकालिक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर अभिनव तिवारी ने अवगत कराया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशन एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर की अध्यक्षता में 12 दिसंबर 2026 (द्वितीय शनिवार) को दीवानी न्यायालय परिसर, कानपुर नगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। नक्शेदेखें



राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, सिविल वाद, पारिवारिक वाद, बैंक ऋण वसूली वाद, परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) से संबंधित वाद तथा राजस्व संबंधी मामलों सहित अधिक से अधिक वादों का निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के आधार पर किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत से पूर्व संबंधित वादों के निस्तारण के लिए 26 अक्टूबर, 2 नवंबर, 11 नवंबर, 18 नवंबर एवं 25 नवंबर 2026 को प्री-ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। प्री-ट्रायल संबंधित वाद की सुनवाई करने वाले न्यायालय में ही होगा। वादी एवं प्रतिवादी अपने मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कराने के इच्छुक होने पर निर्धारित तिथियों में संबंधित न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी सहमति व्यक्त कर सकते हैं।उन्होंने संबंधित पक्षकारों से अपील की कि वे प्री-ट्रायल में उपस्थित होकर आपसी सहमति से अपने वादों का निस्तारण कराने की प्रक्रिया में सहयोग करें, जिससे आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके।

डाक अदालत में डाक सेवाओं से जुड़ी शिकायतों का होगा निस्तारण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चीफ पोस्टमास्टर, प्रधान डाकघर कानपुर से संबंधित उपभोक्ताओं की समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए 6 नवंबर 2026 (शुक्रवार) को पूर्वाह्न 11 बजे मासिक डाक अदालत का आयोजन किया जाएगा। चीफ पोस्टमास्टर की अध्यक्षता में डाक अदालत उनके कक्ष में आयोजित होगी। डाक अदालत में स्पीड पोस्ट सेवा, पंजीकृत डाक, बचत बैंक, धनादेश



तथा रोड मार्किंग सहित अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इन व्यवस्थाओं से वाहन चालकों को चौराहों पर पहुंचने से पहले ही दिशा और मार्ग की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। इससे अनावश्यक रुकावटों को कम करने, वाहनों की आवाजाही व्यवस्थित करने और यातायात के दबाव को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि चौराहों का विकास केवल निर्माण कार्य तक सीमित नहीं रहेगा। प्रत्येक चौराहे की यातायात संबंधी आवश्यकताओं, सड़क सुरक्षा और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्य कराए जाएंगे। इसके लिए लोक निर्माण विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई), नगर निगम और कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) सहित संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। परियोजना की प्रगति की नियमित समीक्षा भी की जाएगी।

इन 40 प्रमुख चौराहों पर विकसित होगी यातायात सुविधाएं

'प्रोजेक्ट गिफ्ट' के प्रथम चरण में रामादेवी चौराहा,

टाटमिल चौराहा, रावतपुर तिराहा, घंटाघर चौराहा, डिप्टी पड़ाव चौराहा, मूलगंज चौराहा, सरसैया घाट चौराहा, एल.एल.आर. अस्पताल चौराहा, आर्य नगर चौराहा, बंगला भवन चौराहा, फजलगंज चौराहा, चावला मार्केट चौराहा, नंदलाल चौराहा, सचान चौराहा, बर्रा बाईपास चौराहा, शास्त्री चौक, विजय नगर चौराहा, शिवली चौराहा, जरीब चौकी और अफीम कोठी चौराहा शामिल हैं।इसके अतिरिक्त गोल चौराहा, बारा देवी चौराहा, डबल पेट्रोल पंप चौराहा, नौबस्ता चौराहा, बड़ा चौराहा (जेड-स्कायर मॉल के निकट), नवीन मार्केट चौराहा, दासू कुआं चौराहा, नरोना चौराहा, फूलबाग चौराहा (चालीज क्रॉसिंग), कल्याणपुर मेट्रो स्टेशन तिराहा, केंद्रांचल चौराहा, चंद्रिका देवी चौराहा, गुमटी नंबर-5 चौराहा, जुहू नहरिया चौराहा, बकरगंज चौराहा, नमक फैक्ट्री चौराहा, जाजमऊ चौराहा, किदवाई नगर चौराहा, नयागंज चौराहा और कोका-कोला चौराहा भी परियोजना में शामिल किए गए हैं।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले चौराहों और सड़कों पर प्रस्तावित सुधार कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराएं। उन्होंने कहा कि परियोजना का उद्देश्य शहरवासियों को जाम से राहत दिलाने के साथ सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम करना और सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की व्यवस्था विकसित करना है।

सड़क सुरक्षा निर्देशों की अनदेखी पर वार अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस के निर्देश

बैठक में जिलाधिकारी ने स्कूली वाहनों की सुरक्षा एवं ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के संबंध में पूर्व में दिए गए निर्देशों का अनुपालन न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और संबंधित एअरटीओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं, ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं के ऑडिट संबंधी निर्देशों का अनुपालन न करने पर लोक निर्माण विभाग के संबंधित अधिशासी अभियंता को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी स्कूली वाहनों की सूची संबंधित थानों को उपलब्ध कराने, चालकों का मॉडिकल हेल्थ चेकअप कराने तथा निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर संचालित होने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही, जिन स्कूली बसों में छात्राएं यात्रा करती हैं, उनमें विद्यालय की एक महिला कर्मचारी की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा।

ब्लैक स्पॉट की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित समिति गठित कर दुर्घटनाओं एवं उनमें हुई जनहानि का विस्तृत ऑडिट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक उपाय लागू करने, सभी चिह्नित ब्लैक स्पॉट पर सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रभावी अभियान चलाने को कहा।



पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने पर विशेष जोर

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि विशेष मतदाता पंजीकरण शिविरों के माध्यम से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी पात्र युवाओं सहित प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन एवं समावेशी बनाने के लिए सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी पूरा जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि मतदाता पंजीकरण से संबंधित प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण करते हुए समयबद्ध

निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन कराने तथा अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के संबंध में जागरूक किया जाए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे

जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण एवं पात्र नागरिकों का पंजीकरण निर्वाचन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए तथा सभी बुंधों पर शिविरों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान ई0आर0ओ0 आर्य नगर पुणेर्द उपस्थित रहे।

आपतिजनक वीडियो भेजने वाला हुआ गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना काकादेव पर एक व्यक्ति द्वारा सूचना दी गई कि उनके मोबाइल पर उनकी दिव्यांग (स्पेशल एबलड) बच्ची से संबंधित एक आपतिजनक वीडियो भेजा गया है। प्राप्त सूचना के आधार पर थाना काकादेव में तत्काल सुसंगत थाराओं में अभियोग पंजीकृत कर वीडियो भेजने वाले व्यक्ति की तलाश की गई।

पृष्ठताछ में प्रकाश में आया कि उक्त वीडियो लगभग एक वर्ष से अधिक पुराना है। वीडियो भेजने वाला व्यक्ति पूर्व में संबंधित रिहैबिलिटेशन सेंटर में सेंटर इंचार्ज के पद पर कार्यरत था, जिसे विभिन्न आरोपों के चलते मई माह में सेंटर से हटा दिया गया था। उसके पास उक्त वीडियो पूर्व से मौजूद थी, जिसे उसने बीती रात बच्ची के पिता के मोबाइल पर



भेजा। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा उससे पृष्ठताछ कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिसबर्ती देखें

पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल अतुल श्रीवास्तव के अनुसार वीडियो में दिखाई देने वाला दूसरा पुरुष भी दिव्यांग है तथा उसी स्कूल में अध्ययनरत था। उसके विरुद्ध भी अभियोग पंजीकृत है। प्रकरण में उपलब्ध मेडिकल रिपोर्ट एवं अन्य तथ्यों के आधार पर विस्तृत जांच कर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कानपुर मेट्रो: बड़ा चौराहा स्टेशन पर 'शो योर टैलेंट' के तहत सांस्कृतिक संध्या का हुआ आयोजन

» नृत्य, संगीत, रैंप वॉक और संवाद अदायगी की प्रस्तुतियों ने जीता यात्रियों का दिल

» बीपीएस न्यूज



कानपुर। मेट्रो द्वारा 'शो योर टैलेंट' पहल के अंतर्गत बड़ा चौराहा मेट्रो स्टेशन पर 'सीएसएफ प्रोडक्शंस' के सहयोग से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न आयु वर्ग के कलाकारों ने अपनी मनमोहक नृत्य एवं संगीत प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया।

वहीं, मॉडलिंग में रुचि रखने वाले युवा प्रतिभागियों ने रैंप वॉक और संवाद अदायगी के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसे उपस्थित दर्शकों की खूब सराहना मिली।

कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर लगभग 3-00 बजे हुई। प्रतिभाशाली बाल कलाकारों ने ऊर्जा और उत्साह से भरपूर नृत्य प्रस्तुतियों

से समां बांध दिया। 'तुझको शरारत सिखावां', 'बड़ी मुश्किल बाबा बड़ी मुश्किल' और 'जब ज़िंद पर आ गई पावती' जैसे लोकप्रिय

गीतों एवं भजनों पर आकर्षक प्रस्तुतियां देकर कलाकारों ने खूब तालियां बटोरीं। नृत्य प्रस्तुतियों के बाद प्रतिभागियों ने

प्रभावशाली रैंप वॉक के जरिए अपनी कला और आत्मविश्वास का परिचय दिया। इसके साथ ही, युवा प्रतिभागियों ने दिए गए परिदृश्यों

के अनुरूप अभिनय और संवाद अदायगी की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अगले चरण में विभिन्न आयु वर्ग के कलाकारों ने अपनी मधुर आवाज में गीत प्रस्तुत किए। उनकी सुरीली प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया और कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का भरपूर मनोरंजन किया।

कार्यक्रम के समापन पर कलाकारों ने इस आयोजन के लिए कानपुर मेट्रो के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने 'शो योर टैलेंट' पहल की सराहना करते हुए कहा कि कानपुर मेट्रो ने केवल यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक परिवहन सेवा उपलब्ध करा रहा है, बल्कि इस पहल के माध्यम से कला, साहित्य और संस्कृति को भी प्रोत्साहित कर रहा है। साथ ही, यह मंच उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और अपनी कला को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने का अवसर प्रदान कर रहा है।

शहीद शिरोमणि गणेश शंकर विद्यार्थी जी को श्रद्धांजलि



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर प्रेस क्लब की ओर से रविवार को शहीद शिरोमणि पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर उनके चित्र पर फूल-मालाएं चढ़ा कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया गया छ वक्ताओं ने कहा कि विद्यार्थी जी पत्रकारों के आदर्श हैं। उनका अखबार 'प्रताप' जहां स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन का हथियार बना,

वहीं सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ा था। वह कांग्रेस से जुड़े थे, लेकिन कभी भी पत्रकारिता धर्म से नहीं डिगे और उनके लिए देशहित सर्वोपरि रहा।

पत्रकारों को उनके और उनकी पत्रकारिता के बारे में पढ़ना चाहिए। इस दौरान प्रेस क्लब के अध्यक्ष सरस वाजपेई, महामंत्री शैलेश अवस्थी, मंत्री मोहित दुबे, शिवराज साहू, उत्सव शुक्ला, रोहित निगम, अभिषेक मिश्रा, रजत, शांनु त्रिपाठी, कुशाग्र पांडे, महेश सोनकर सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

मॉर्निंग वॉक पर निकले सतीश महाना ने बनाई चाय बुजुर्ग दुकानदार महिला के पैर छूकर लिया आशीर्वाद



» बीपीएस न्यूज

कानपुर विधानसभा अध्यक्ष

सतीश महाना रविवार को कार्यक्रमों के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकले। इस दौरान वह हरजिंदर नगर

कालीबाड़ी स्थित टैक्निकल चाय वाले की दुकान पर रुक गए। यहां उन्होंने वृद्ध दुकानदार सुशीला गुप्ता को हटाकर खुद चाय बनाई और छानकर लोगों को पिलाई।

इसके बाद महाना ने सुशीला गुप्ता के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। दुकानदार ने उन्हें ऐसा करने से मना किया तो उन्होंने उन्हें बहन

बताया। मौके पर वीडी राय समेत अन्य भाजपा कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

शरद पूर्णिमा पर चला कैलाश खेर के गीतों का जादू शिव वंदना और रतनगंगा राम का पर झूमे श्रोता



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। श्रीरामलीला सोसाइटी के डेढ़ सौ पूरे होने के उपलक्ष्य में परेड के रामलीला मैदान में मधुर शाम प्रभु श्रीराम के नाम का आयोजन किया गया।

शरद पूर्णिमा की इस रात में प्रख्यात गायक पद्मश्री कैलाश खेर ने जैसे ही गीत, कैसे बताएं, के तुझको चाहें, यारा बता न पाएं, शुरू किया तो श्रोताओं पर जादू सा चल गया। श्रोता हाथ उठाकर झुमते हुए गायक खेर के साथ गाने लगे। इस दौरान मंच पर कीर्तनी लेजर लाइट माहौल

को दिव्यता बनाती रही। रविवार रात कार्यक्रम की शुरुआत आरती से हुई। इस मौके पर पुलिस कमिश्नर, केस्को एमडी और सोसाइटी के पदाधिकारी रहे। शुरुआत मैथिली और मनु ने राम भजनों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद श्रीराम लीला सोसाइटी की डेढ़ सौ वर्ष की यात्रा की वीडियो फिल्म दिखाई गई। दर्शकों ने वर्ष 1877 से लेकर अब तक लीला का इतिहास देखा। फिर शुरू हुआ कैलाश खेर के गीतों का सिलसिला। कैलासा बैंड के संगीत की धमक दूर तक सुनाई देने लगी।

जुआ खेलने के विरोध पर जुआरियों ने मंडल उपाध्यक्ष को पीटा, भाजपाइयों ने थाना घेरा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बर्रा में पार्क में जुआ खेलने के विरोध पर जुआरियों ने भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष प्रेम सिंह अन्नू को पीट दिया। कार्रवाई न होने से नाराज सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार देर शाम बर्रा थाने का घेराव कर दिया। कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। सूचना पर एसीपी नौबस्ता अभिषेक कुमार राहुल पहुंचे। कार्रवाई का भरोसा दिया तब कार्यकर्ता शांत हुए। बर्रा के एच ब्लॉक निवासी मंडल उपाध्यक्ष प्रेम



सिंह अन्नू के मुताबिक उनके घर के पास स्थित पार्क में जुआ हो रहा था। इसकी शिकायत पुलिस से कर दी। आरोप है कि थाने में तैनात एक

दीवान ने जुआरियों को शिकायतकर्ता का नाम बता दिया। इससे नाराज जुआरियों ने उसी दिन उनके साथ गालीगलौज कर पीटा। उन्होंने तीन



लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर भाजपा कार्यकर्ता थाने पहुंच गए। एसीपी नौबस्ता अभिषेक

कुमार राहुल ने दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई का आश्वासन देकर कार्यकर्ताओं को शांत कराया। आरोपियों की तलाश रही है।

रंजिश में युवक की हत्या की कोशिश में तीन आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा गया



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नरवल में रंजिश में युवक को लाठी-डंडों से पीटकर अधमरा करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान रायपुर निवासी प्रियांशु विश्वकर्मा, शिशुपुर निवासी अक्षय उर्फ राजा और शुभम सिंह उर्फ गोल्ड के रूप में हुई। आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार और खून से सनी दो लाठियां बरामद हुई हैं। पुलिस ने कार को सीज कर दिया है। नरवल थानाप्रभारी अनिल सिंह के अनुसार विपिन यादव ने 23 अक्टूबर को नरवल थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। रंजिश के चलते आरोपियों पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया था। तीन को शनिवार रात टॉस रोड से दीपापुर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। थाना प्रभारी के मुताबिक तीनों को कोर्ट के आदेश पर जेल भेजा गया।

नकली सीमेंट सिंडिकेट पर कार्रवाई की मांग, कांग्रेस ने राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

» सरकारी निर्माण कार्यों में नकली सीमेंट के इस्तेमाल की आशंका जताई, कचहरी की बहुमंजिला पार्किंग की जांच की भी उठी मांग

» सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नकली सीमेंट के कथित कारोबार और सरकारी निर्माण कार्यों में इसके इस्तेमाल की आशंका को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर ग्रामीण ने मोर्चा खोल दिया है। जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं और अधिवक्ताओं ने शनिवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। नारेबाजी के बीच राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए कथित सीमेंट सिंडिकेट के



खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और इसके पीछे मौजूद लोगों की भूमिका की जांच कराने की मांग की गई। कांग्रेस नेताओं और अधिवक्ताओं का समूह दोपहर करीब 12-30 बजे जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा। प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर एकत्र होकर अपनी मांगें उठाईं। इस दौरान सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, कथित नकली सीमेंट कारोबार और संबंधित अधिकारियों की भूमिका को लेकर सवाल खड़े किए गए। जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने

आशंका जताई कि मुख्यमंत्री ग्रिड परियोजना (सीएम ग्रिड), विधायक निधि से होने वाले निर्माण कार्यों सहित अन्य सरकारी योजनाओं में भी नकली सीमेंट का इस्तेमाल हुआ हो सकता है। उन्होंने कहा कि यदि निर्माण कार्यों में घटिया या नकली सीमेंट का प्रयोग हुआ है तो भविष्य में गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं और लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने पनकी स्थित भूखंड संख्या एफ-181 पर कथित नकली सीमेंट कारखाना पकड़े जाने का उल्लेख करते हुए भूखंड के स्वामित्व और इस कारोबार से जुड़े लोगों की पहचान सार्वजनिक करने की मांग की। साथ ही आरोप लगाया कि इस सिंडिकेट को कथित तौर पर राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है। कांग्रेस ने संबंधित राजनीतिक व्यक्तियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी उठाई। प्रदर्शन में शामिल अधिवक्ताओं ने कचहरी परिसर में बनी बहुमंजिला पार्किंग के निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल

उठाए। उन्होंने आशंका जताई कि निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ हो सकता है। अधिवक्ताओं ने पार्किंग के निर्माण कार्य, ठेकेदार और कथित नकली सीमेंट सिंडिकेट के बीच संभावित संबंधों की जांच कराने की मांग की। कांग्रेस नेताओं और अधिवक्ताओं ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के विशेषज्ञों से सीएम ग्रिड परियोजना, विधायक निधि से कराए गए कार्यों और अन्य सरकारी निर्माणों की तकनीकी जांच कराने की मांग की, ताकि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और संभावित अनियमितताओं की वास्तविक स्थिति सामने आ सके। प्रदर्शन में प्राणनाथ मिश्रा, मदन मोहन शुक्ला, इखलाक अहमद डेविड, सतीश दीक्षित, नरेश त्रिपाठी, मोहम्मद तुफैल, अनूप द्विवेदी, रमाकांत मिश्रा, रमणीक चतुर्वेदी, सियाराम पाल, प्रतीक शर्मा, जितेंद्र शुक्ला सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और अधिवक्ता मौजूद रहे।



SAHU MOTORS

9125158769

H.O: 33- W Block, Keshav Nagar, Hamirpur Road
Kanpur -208014 (Near Madhulok Chauraha)

sahumotorsev@gmail.com



RISING SOLAR ENERGY

ONGRID, HYBRID AND OFFGRID SOLAR PROJECTS

+91-7233050533

info@solarji.co.in www.solarji.co.in